भारत - नाइजर संबंध

भारत और नाइजर के बीच द्विपक्षीय संबंधों सौहार्दपूर्ण रहे हैं। भारत और नाइजर के बीच द्विपक्षीय संबंधों ने मई 2009 में नियामे में हमारा मिशन खोले जाने के बाद गति पकड़ी। नाइजर ने नई दिल्ली में अपना दूतावास नवंबर 2011 में खोला था।

नाइजर की ओर से दौरे

पिछले 10 वर्षों में नाइजर की ओर से भारत के कई मंत्री स्तरीय दौरे किए गए हैं। नाइजर के विदेश मंत्री ने मार्च 2005 में तथा अप्रैल और अगस्त 2006 में भारत का दौरा किया था। उच्चस्तरीय सरकारी एवं वाणिज्यिक शिष्टमंडलों ने मार्च और नवंबर 2005 में तथा अक्टूबर 2006 में नई दिल्ली में आयोजित 'भारत-अफ्रीका परियोजना भागीदारियां' विषयक सीआईआई-एक्सिम कॉन्क्लेव में भाग लिया था। विदेश मंत्री ने 18-19 फरवरी 2011 को नई दिल्ली में आयोजित 'भारत-एलडीसी मंत्रिस्तरीय सम्मेलन' में भाग लिया। खनन एवं ऊर्जा मंत्री फोमाकोये गाडो ने 26 से 30 जून 2011 तक भारत का दौरा किया। मामाडोउ डायलो, उच्च शिक्षा एवं वैज्ञानिक अनुसंधान मंत्री ने 1-2 मार्च 2012 को भारत-अफ्रीका विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया। वर्ष 2012-2013 के दौरान ऊर्जा एवं पेट्रोलियम मंत्री श्री फोमाकोएगाडो ने 9 से 10 अक्टूबर 2012 तक नई दिल्ली में आयोजित इंटरनेशनल सेमीनार ऑन इनर्जी एक्सेस में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया। नाइजर के वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और अग्रणी दवा आयातकों से युक्त एक पांच-सदस्यीय शिष्टमंडल ने 7 से 9 दिसंबर 2012 के दौरान चेन्नई में आयोजित 64वें इंडियन फार्मास्यूटिकल कांग्रेस के साथ आयोजित रिवर्स बायर सेलर मीट में भाग लिया। नाइजर के एक 16-सदस्यीय शिष्टमंडल ने 17-19 मार्च 2013 को नई दिल्ली में आयोजित 9वें सीआईआई एक्सिम बैंक इंडिया-अफ्रीका कॉन्क्लेव में भाग लिया। इस शिष्टमंडल का नेतृत्व मिनिस्टर ऑफ प्लान, टेरिटोरियल प्लानिंग एंड कम्यूनिटी डवलपमेंट श्री अमाडोउ बूबाकर सीसे द्वारा किया गया था। खनन एवं औद्योगिक विकास मंत्री उमर हमीदोउचियाना तथा वाणिज्य एवं निजी क्षेत्र विकास मंत्री सैले सैदोउ भी इस शिष्टमंडल में शामिल थे। नाइजर के जल संसाधन एवं पर्यावरण मंत्री इसोफोउलसाका ने 'पोटेबल वाटर प्रोजेक्ट', जो उस समय भारत सरकार के विचाराधीन एक एलओसी परियोजना थी, के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए 'वापकोस' के निमंत्रण पर 14-16 जून 2013 को नई दिल्ली का दौरा किया। 9 से 11 मार्च 2014 के दौरान नई दिल्ली में भारत - अफ्रीका परियोजना साझेदारी पर आयोजित सी आई आई - एग्जिम बैंक संगोष्ठी की 10वीं बैठक में भाग लेने के लिए नाइजर के वाणिज्य एवं निजी क्षेत्र संवर्धन मंत्री अल्मा उमारो ने भारत का दौरा किया। अल्मा उमारो ने संगोष्ठी को संबोधित भी किया। नाइजर के प्लान, लैण्ड मैनेजमेंट एंड कम्यूनिटी डवलपमेंट मिनिस्टर अमाडो बूबाकरसीसे के साथ

डायरेक्टर जनरल ऑफ इनवेस्टमेंट, योजना मंत्रालय, याकूबो महामन सनी ने नाइजर में अर्ध-शहरी एवं ग्रामीण समुदायों के लिए पोटेबल जल के लिए 25 मिलियन यूएस डॉलर के एक्सिम बैंक के लाइन ऑफ क्रेडिट करार पर हस्ताक्षर करने के लिए 13-14 मार्च 2014 तक भारत का दौरा किया था। नाइजर के वाणिज्य एवं निजी क्षेत्र संवर्धन मंत्री अल्मा उमारो ने 23 अक्टूबर, 2015 को नई दिल्ली में भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक - III के तहत आयोजित चौथी अफ्रीकी व्यापार मंत्री बैठक में भाग लिया।

नाइजर गणराज्य के राष्ट्रपति इसोफू महमदू ने 6 मंत्रियों, एक उप मंत्री तथा अन्य उच्च स्तरीय अधिकारियों के अधिकार प्राप्त शिष्टमंडल के साथ 27 से 30 अक्टूबर, 2015 के दौरान भारत का दौरा किया तथा भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक - III में भाग लिया। राष्ट्रपति महमदू की यात्रा की खासियत 28 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी बैठक थी जिसमें आपसी हित के व्यापक श्रेणी के मुद्दों पर चर्चा हुई। नाइजर गणराज्य के राष्ट्रपति ने कहा कि भारत के साथ नाइजर अपना संबंध बढ़ाना चाहता है।

भारत की ओर से यात्राएं

तत्कालीन विदेश राज्य मंत्री आनंद शर्मा ने घाना की स्वतंत्रता के स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लेने के लिए अपनी घाना यात्रा के दौरान आकरा में मार्च 2007 में नाइजर के तत्कालीन प्रधान मंत्री से मुलाकात की थी। इन बैठकों में पारस्परिक हित के अनेक मुद्दों पर चर्चा की गई थी। संयुक्त सचिव (पश्चिमी अफ्रीका) के नेतृत्व में एक 11-सदस्यीय सीआईआई व्यापारिक शिष्टमंडल ने 28 से 30 मई 2012 तक नियामे का दौरा किया था। इस शिष्टमंडल ने नाइजर के प्रधान मंत्री और सरकार के कई अन्य मंत्रियों के साथ बैठकें की थीं। सीआईआई और नाइजीरियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स, इंडस्ट्री एंड हैण्डीक्राफ्टस के बीच सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए थे।

भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उद्यम राज्य मंत्री जी एम सिद्देश्वर ने 26 से 30 अक्टूबर 2015 तक नई दिल्ली में तीसरी भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक के लिए निमंत्रण पत्र देने के लिए भारत के माननीय प्रधानमंत्री के विशेष दूत के रूप में 8 से 10 जुलाई 2015 तक नाइजर का दौरा किया। उन्होंने 9 जुलाई को राष्ट्रपति इसोफू महमदू तथा विदेश, सहयोग, अफ्रीकी एकीकरण तथा नाइजर प्रवासी नागरिक मंत्रालय की कार्यकारी मंत्री (श्रीमती) काफा रेकियातू क्रिस्टेली जकाउ से मुलाकात की तथा निमंत्रण दिया।

वाणिज्यिक संबंध :

द्विपक्षीय व्यापार :

वर्ष 2014-15 के दौरान नाइजर के साथ भारत का व्यापार 78.77 मिलियन रहा, जिसमें नाइजर को भारत की ओर से निर्यात 78.22 मिलियन था। भारत से नाइजर को निर्यात की

जाने वाली मुख्य वस्तुओं में अनाज एवं अन्य खाद्य सामान, औषधियां, कपास, बिजली की मशीनरी एवं उपकरण तथा प्लास्टिक की वस्तुएं शामिल हैं। भारत ने मुख्य रूप से कच्ची खाल एवं त्वचा तथा सीसे की वस्तुओं का आयात किया। अवसंरचना, परिवहन, ऊर्जा, खनन, आईसीटी, स्वास्थ्य एवं कृषि क्षेत्र में हमारे द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग की संभावनाएं मौजूद हैं। नीचे दी गई तालिका में भारत और नाइजर के बीच व्यापार को दर्शाया गया है [मिलियन यूएस डॉलर में]:

वर्ष	भारतीय निर्यात नाइजर	नाइजर से भारतीय आयात कुल व्यापार	कुल
2009 -10	37.90	0.25	38.15
2010 -11	47.08	10.47	57.55
2011 -12	88.07	0.15	88.22
2012 -13	56.13	69.05	125.18
2013 -14	86.32	0.54	86.86
2014 -15	78.22	0.55	78.77

स्रोत : वाणिज्य विभाग, भारत सरकार

विकास साझेदारी प्रशासन

'बसों, ट्रकों, ट्रैक्टरों, आटा मिलों और मोटर पम्पों आदि की खरीद' के लिए एनईपीएडी के अंतर्गत नाइजर को जुलाई 2005 में 17 मिलियन यूएस डॉलर का लाइन ऑफ क्रेडिट दिया गया था। जुलाई 2008 में 'विद्युत आपूर्ति एवं विद्युतीकरण' के लिए टीईएएम 9 के अंतर्गत 20 मिलियन यूएस डॉलर का एक अन्य लाइन ऑफ क्रेडिट प्रदान किया गया था। इन लाइन्स ऑफ क्रेडिट का उपयोग कर लिया गया है।

जून 2013 में दो लाइन्स ऑफ क्रेडिट प्रदान की गई हैं- (i) फोटोवोल्टाइक प्रणाली का उपयोग करके 30 गांवों के विद्युतीकरण के लिए (9.84 मिलियन यूएस डॉलर) और (ii) 5 मेगावाट क्षमता के एक सौर संयंत्र की स्थापना के लिए (24.70 मिलियन)।

जनवरी 2014 में अर्ध-शहरी एवं ग्रामीण समुदायों के लिए पेयजल हेतु 25 मिलियन यूएस डॉलर का एक अन्य लाइन ऑफ क्रेडिट प्रदान किया गया था। यह ऋण सहायता कार्यान्वयन के अधीन है।

क्षमता निर्माण एवं मदद

भारत ने खाद्य संकट से उबरने के मानवीय प्रयासों के लिए सहायता करने की दिशा में सितंबर 2005 में नाइजर के लिए बुनियादी दवाओं का एक राहत पैकेज प्रदान किया था। नाइजर के विदेश, खनन एवं ऊर्जा तथा शुष्क भूमि कृषि अनुसंधान मंत्रालयों के कंप्यूटरीकरण संबंधी

आवश्यकताओं को अभिनिश्चित करने के लिए 2006 में भारतीय विशेषज्ञों ने नाइजर का दौरा किया था। नाइजर को आईसीटी एवं कृषि क्षेत्रों में तकनीकी सहायता प्रदान की गई। भारत सरकार ने बाद में वर्ष 2012 में क्षमता निर्माण के लिए नाइजर के विदेश मंत्रालय को 67 लाख रु. के 100 कंप्यूटरों की आपूर्ति की थी।

भारत ने नाइजर को मौजूद खाद्य संकट से उबरने में मदद करने के लिए अगस्त 2010 में 1,00,000 अमरीकी डॉलर की वित्तीय सहायता स्वीकृत की थी। नाइजर गणराज्य के नव निर्वाचित राष्ट्रपति के लिए 7 अप्रैल 2011 को अभिषेक समारोह में उपयोग के लिए नाइजर के नेशनल टेलीविजन को दो टेलीविजन कैमरा खरीदने के लिए नाइजर सरकार को 86452 यूरो की नकद सहायता भी प्रदान की गई थी।

भारत द्वारा वित्तपोषित पैन-अफ्रीकन ई-नेटवर्क परियोजना टीसीआईएल द्वारा नियामे में स्थापित की गई है।

भारत आईटीईसी एवं आईएएफएस के अंतर्गत नाइजर को मानव संसाधन विकास संबंधी प्रशिक्षण प्रदान करता है। वर्ष 2014-15 में आईटीईसी के अंतर्गत 150 स्लॉट प्रदान किए गए थे, जिनमें से 138 स्लॉटों का उपयोग कर लिया गया। वर्ष 2015-16 के लिए, आई टी ई सी के तहत नाइजर को 140 प्रशिक्षण स्लाट आबंटित किए गए हैं। जून 2015 तक, आई ए एफ एस के तहत 43 स्लॉटों का उपयोग कर लिया गया है। 2014-15 में आई सी सी आर की 2 छात्रवृत्तियों का उपयोग किया गया। 2015-16 में आई सी सी आर ने 8 छात्रवृत्तियों की पेशकश की है। 2014-15 के दौरान, आई टी ई सी श्रेणी 1 के तहत रक्षा प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए प्रदान किए गए 10 स्लॉटों में से 6 स्लॉटों का नाइजर के रक्षा कार्मिकों द्वारा उपयोग किया गया। 2013-14 में 'सी वी रमन - विशेष कृषि छात्रवृत्ति स्कीम' के तहत दो उम्मीदवार भेजे गए।

30 सितंबर, 2015 को भारत ने नाइजर गणराज्य को भारत सरकार की सहायता के अंग के रूप में नाइजर के रेडियो प्रसारण एवं दूरदर्शन महानिदेशक के कार्यालय को 10 लैपटॉप उपहार में दिए।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

भारतीय दूतावास ने 21 जून, 2015 को दूतावास परिसर में पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जिसमें 100 से अधिक लोगों ने भाग लिया जिसमें राजनयिक तथा भारतीय समुदाय के सदस्य शामिल हैं। इस कार्यक्रम से काफी रूचि एवं उत्साह का सृजन हुआ तथा स्थानीय मीडिया द्वारा इसे कवर किया गया।

भारतीय समुदाय

नाइजर में लगभग 100 भारतीय नागरिक रहते हैं। उनमें से अधिकांश अपने परिवार के बगैर रह रहे हैं। वे ज्यादातर व्यापार और अतिथि सत्कार से संबंधित व्यवसायों से जुड़े हुए हैं।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, नियामे की वेबसाइट:

http://www.indembniamey.org/

***

जनवरी, 2016